चित्रकूट 27 अक्टूबर। श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के स्वर्ण जयंती वर्ष तारा नेत्रदान यज्ञ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सद्गुरु शिक्षा समिति के विद्याधाम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित 20 वें सद्गुरु महोत्सव में चार दिवसीय अर्न्तक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का समापन हो गया। इस अर्न्तक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में सद्गुरु शिक्षा समिति के अलावा चित्रकूट क्षेत्र के 35 शासकीय एवं निजी विद्यालयों के 800 से अधिक बच्चों ने भी भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मुम्बई से पधारी श्रीमती बिलोनी बेन मफतलाल एवं अध्यक्षता सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी डा0 बी0 के0 जैन ने की । विशिष्ट अतिथि गुरु बहन तरुणा बेन रहीं। इनके अलावा कामदगिरि प्रमुख द्वारा के महंत श्री मदनगोपाल दास एवं संत गण तथा गुरु भाई एवं बहने भी कार्यकम में उपस्थित रहे। सदगुरु शिक्षा समिति की अध्यक्ष श्रीमती उषा जैन ने मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुये सभी विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षको, निर्णायकों प्रतिभागियों का भी अभिनंदन किया जिन्होने चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता को अपनी कडी मेहनत एवं ईमानदारी से सफल बनाया। खेल के प्रति बच्चों का उत्साह देखते बनता है सभी बच्चों ने पूरी खेल भावना से प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्वेश्य शहरी क्षेत्र के साथ–साथ आदिवासी एवं ग्रामीण अंचल के बच्चों को प्रोत्साहित करना है जिनकी प्रतिभा मूलभूत सुविधाओं के बिना दबी रह जाती हैं। विद्याधाम पूर्व माध्ययमिक विद्यालय के प्राचार्य रमाशंकर मिश्रा ने बताया कि पूज्य गुरुदेव रणछोडदास जी महाराज ने संस्कृत विद्यालय के रूप में शिक्षा की शुरुआत की थी जो आज विकसित होकर हिन्दी, अंग्रजी और व्यवसायिक शिक्षा की ओर अग्रसर है। वर्ष 1999 में सदगुरु महोत्सव की शुरुआत की गयी थी जिसमें चित्रकूट के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों ने भाग लिया। इस वर्ष म0 प्र0 एवं यू0 पी0 के 35 विद्यालय के 800 बच्चों ने भाग लिया जिसमें कबड्डी, खोखो, 100 मीटर से 1500 मीटर की दौड एवं लम्बी कूद एवं उंची कूद जसी प्रतियोगितायें शामिल हैं। कार्यकम के अध्यक्ष डा0 बी0 के0 जैन ने समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज का दिन बडा ही शुभ है क्यों कि आज जलाराम बापा की जंयती है। पूज्य गुरुदेव रणछोडदास जी महाराज के परम शिष्य एवं संस्था के पूर्व ट्रस्टी स्व0 रामदास भाई गोकानी की भी जन्म जयंती है। जरूरी नहीं है कि शहरी क्षेत्र के बच्चे ही प्रतिभाशाली हों ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी बहुत प्रतिभाशाली हैं, बस जरूरत है उन्हे अवसर देने की। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट का हमेशा ये प्रयास रहा है कि उन्हे ऐंसा प्लेटफार्म दें जिससे उनकी प्रतिभा सबके सामने आ सके। मैं यह चाहता हूँ कि हमारे बच्चे शिक्षा के साथ–साथ खेल के माध्यम से भी राष्ट्रीय स्तर तक पहुचे। औपचारिक रूप से खेल में हार जीत तो होती ही है कुछ विजेता बनते हैं कुछ उपविजेता लेकिन खेलने वाले खिलाडी की कभी हार नहीं होती वह मैदान में उतरते ही जीत जाता है। महंत मदनगोपाल दास ने कार्यकम को सम्बोधित करते हुये कहा यह हमारे लिये परम सौभाग्य की बात है कि भगवान राम एवं पूज्य संत रणछोडदास जी महाराज की तपस्थली में संस्था द्वारा सामाजिक उत्थान के लिये कुछ न कुछ प्रकल्प चलते रहते हैं। चित्रकूट में पढने वाले बच्चे कभी असफल नहीं होगे क्यों कि यहां के बच्चे शिक्षा के साथ–साथ संस्कार से भी ओतप्रोत हैं। हमारे संस्कार ही भारत वर्ष को अखण्डता प्रदान करेंगे। बच्चे भारत का भविष्य हैं सभी बच्चे शिक्षा के साथ खेल के माध्यम से भी अपनी मंजिल हासिल करें। इस तरह के कार्यकमों से चित्रकूट को ऊर्जा मिलती है। मैं भगवान से यही प्रार्थना करता हूँ कि हम सभी पूज्य संत रणछोडदास जी महाराज के सेवाधर्म के मार्ग पर चलकर समाज का कल्याण करें। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं पधारे हुये सभी अतिथियों एवं संतों ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को शील्ड, मेडल एवं पुरस्कार से सम्मानित किया। इनडोर गेम जैसे शतरंज, बेडमिंटन, टेबल टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिता में विजयी खिलाडियों को भी पुरष्कृत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर आयाजित ऑल इण्डिया कराटे चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में सदगुरु पब्लिक स्कूल की छात्रा प्रतिष्ठा द्विवेदी को मुख्य अतिथि श्रीमती मफतलाल एवं डा0 बी0 के0 जैन द्वारा सम्मानित किया गया। इसके पहले नर्सिंग स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से रंगारंग प्रस्तुति दी साथ ही झांसी से आये हुये प्रहलाद नृत्य मण्डली के लोकगीत कलाकारों ने प्रहलाद एवं नरसिंह भगवान के संवाद को अपने गीत एवं नृत्य के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति दी।